ज्योतिष और फिल्म जगत

07 December, 2007.

बेजोड़ सुन्दरी

नाम : - सुश्मिता सेन
जन्म तारिख :- १९ नवबंर, १९७५
जन्म समय :- ०७ : २० सुबह
जन्म स्थान :- दिल्ली

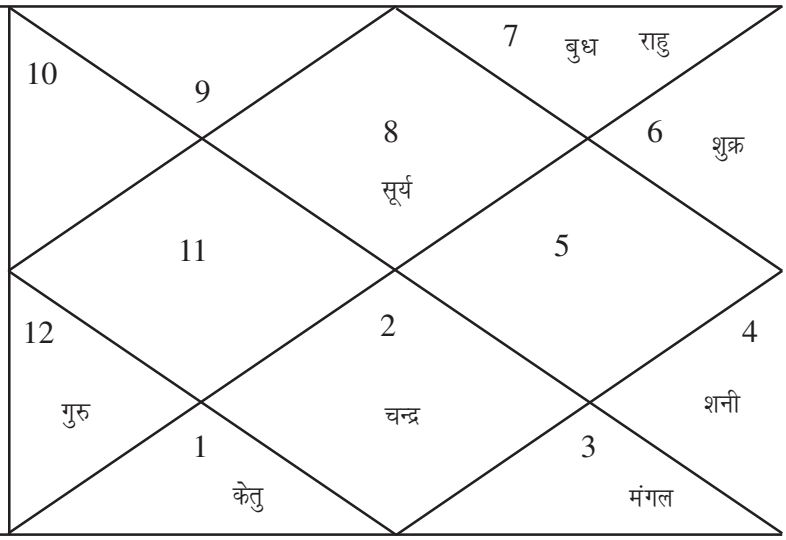

सुश्मिता सेन एक एसा नाम हैं जिसेसुन्दरता की प्रतिमुर्ति कहा जा सकता हैं जिसने अपनी सुन्दरता के लिये १९९४ में 'मिस युनिवर्स' का खिताब जीतकर भारत का नाम रौशन कर दिया । सुन्दरता की प्रतियोगिता में एसा खिताब पहले कभी भारत की किसी महिला ने नही पाया था इस तरह सुश्मिता इतिहास रच चुकी हैं । आज फिल्मी दुनियाँ में उसका नाम हैं और वो विश्व प्रसिध्द अभिनेत्री और मॉडल सुश्मिता सेन के नाम से जानी जाती हैं ।

एसी सुन्दरता, एसा मान सम्मान, एसा इतिहास कुछ कुछ लोग ही रचते हैं । क्या होता हैं इन लोगों में ? कैसे इनमें प्रेरणा जाग्रत होती हैं, एसा कुछ कर दिखाने की ? क्यों दूसरे लोग एसा नही कर पाते हैं ? क्या हैं इनमें जो दूसरे लोगों से ईन्हे अलग करता हैं ?

विश्व के जाने माने सुन्दरता विशेषज्ञ कहते हैं कि चेहरे के अंग जितने सुडौल होगें चेहरा उतना ही आकर्षक होता हैं । इसका मापदंड ये हैं कि जंहा महिलाऐं मांग निकालती हैं वंहा से एक धागा लटकाकर अगर आप उसे ठुड्डी तक लायें और फिर चेहरे के दोनो ओर के अंगों को ध्यान से देखें कि भवें, आँखें, दोनो ओर के गाल, होंठ और ठुड्डी इत्यादि की लटके हुऐ धागे के दोनो तरफ की बनावट में कितना अंतर पड़ता हैं । दोनो ओर के अंग समान होने चाहिये हालाकि एसा होता नही हैं परन्तु बनावट का ये अंतर जितना कम होगा आपके चेहरे की खुबसुरती उतनी ही ज्यादा बढ़ती जायेगी । फिल्मी अभिनेत्रीयाँ, हिरोइन्स और मॉडल्स को अगर आप ध्यान से देखेगें तो पायेगें कि उनमें बनावट का ये फर्क बहुत कम होता हैं । एक और बात ध्यान देने योग्य हैं कि ठुड्डी जितनी गोल और निचले होंठ के जितने करीब होगी चेहरा उतना गोल होता जायेगा और आपकी खुबसुरती बढ़ती जायेगी । फिल्मी अभिनेत्रीयों, हिरोइन्स और मॉडल्स में यही खासियत होती हैं । एसा ही सुश्मिता सेन के साथ भी हैं ।

लेकिन क्या सुन्दरता ही सबकुछ हैं ? मानले कि किसी सुन्दरी में इतनी सुन्दरता हमें मिल भी जाये और सुन्दरता के जाने माने विशेषज्ञो के मापदडों पर वो खरी भी उतर जाये तो भी क्या उसे वो सबकुछ मिल जायेगा जो सुश्मिता को मिला हैं ? जवाब हैं, नही । इसलिये कि किसी को महान और बड़ा बनाने के लिये प्रकृति भी अपना रोल निभाती हैं जिसे हम किस्मत, नसीब और पुर्व जन्मों के कर्मो का फल कहते हैं ।

भारतीय सस्कृति में इसे समझने के लिये जन्म कुण्डली का सहारा लिया जाता हैं । जोकि किसी भी दो इंसानों की एक जैसी नही होती हैं, यंहा तक कि जुड़वा बच्चों में भी कुछ ना कुछ अंतर निकल ही आता हैं । और जो लोग महान और इतिहास रचने वाले होते हैं उनकी कुण्डली तो विशेष योगों से भरी होती हैं । एसी ही एक जन्म कुण्डली सुश्मिता सेन की हैं, जिसके योगों ने उसे महान और इतिहास रचने वाली विश्व सुंदरी, अभिनेत्री और मॉडल के रुप में स्थापित किया ।

सुश्मिता की कुण्डली वृश्चिक लग्न की हैं और इसमें दशमेश सूर्य बैठा हैं जोकि प्रसिध्दी का कारक माना जाता हैं । इस तरह अपने कार्य से प्रसिध्दी पाना सुश्मिता के लिये सहज ही सिध्द होता हैं । इसी सूर्य पर और साथ साथ ही लग्न पर महाबली गुरु की दृष्टि इसे और प्रबल फलदायक बनाती हैं । यंहा महाबली गुरु के विषय में बताया जाना आवश्यक हैं । ज्योतिष शास्त्र में सिंध्दांत हैं कि किसी शुभ भाव के स्वामी, किसी शुभ ग्रह के वक्रि हो जाने पर वो महाबली हो जाता हैं । सुश्मिता की कुण्डली में गुरु धनदायक द्वितिय और पंचम भाव का स्वामी हैं और वक्रि हैं । इसलिये इसमें बहुत उर्जा हैं और ये ग्रह जिस भाव पर और जिस ग्रह पर अपनी दृष्टि डालता हैं उसे भी बली और शुभ फलदाता बना देता हैं । इस ग्रह पर किसी पाप ग्रह की दृष्टि भी नही हैं जो इसे किसी भी प्रकार से निर्बल बना सके । एसे में सुश्मिता को अगर विश्व प्रसिध्दी का फल मिला तो क्या बड़ी बात हैं । हालाकि सुन्दरता के विशेषज्ञ इस बात को कैसे कहेगें, मुझे नही पता ।

इसके अलावा सुश्मिता की कुण्डली में अष्टमेश बुध के द्वादश में बैठ जाने से 'विपरित राजयोग' बनता हैं । बुध के ही अपनी राशि में होने से 'कलानिधी योग' बनता हैं । बुध के ही शुक्र से राशि परिवर्तन के कारण 'राशि परिवर्तन योग' बनता हैं । चन्द्र के उच्च होने से और लग्न पर दृष्टि बनाने से 'राजयोग' बनता हैं । शुक्र के नीच राशि में होने से और गुरु की उसपर दृष्टि होने से 'नीच भंग राजयोग' बनता हैं । ये सब योग यश, मान, सम्मान और धन दिलाने वाले योग हैं जोकि सुश्मिता की कुण्डली में और जिनके फल सुश्मिता के जीवन में सहज ही देखे जा सकते हैं ।

इसके पहले कि हम सुश्मिता के कुण्डली का और विश्लेषण करें हम सुश्मिता की लंबाई के विषय में ज्योतिष की दृष्टि से बताना चाहेगें । सुश्मिता की लंबाई ५ फुट ११ इंच हैं । एसी लंबाई भारतीय महिलाओं में दुर्लभ होती हैं । दरअसल कुण्डली मे लग्न, शरीर का कारक होता हैं और जैसी राशि से लग्न बनता हैं वैसा ही शरीर का आकार बनता हैं परन्तु ग्रह अपने प्रभाव से इसमें फेबदल कर देते हैं । जैसे सुश्मिता की कुण्डली का लग्न वृश्चिक हैं जोकि ज्योतिष

ज्योतिष और फिल्म जगत

07 December, 2007.

की दृष्टि से दीर्घ राशि मानी जाती हैं और शरीर का कद लंबा करती हैं परन्तु इसमें बैठा सूर्य मध्यम आकार का माना जाता हैं तो ये शरीर को अपने प्रभाव से फिर मध्यम बना देता हैं । ये हुआ साधारण विश्लेषण, अब देखें विशेष विश्लेषण ।

स्थिति और युति से ज्यादा ग्रहों की दृष्टियाँ अपना प्रभाव दिखाती हैं । पंचम भाव से गुरु की नवम दृष्टि लग्न पर और सूर्य पर पड़ती हैं । सप्तम भाव से चन्द्र की सप्तम दृष्टि लग्न पर और सूर्य पर पड़ती हैं । चन्द्र की राशि में शनी विराजमान हैं इस तरह चन्द्र अपनी दृष्टि से लग्न पर और सूर्य पर शनी का भी प्रभाव डाल रहा हैं । इसे कहते हैं अधिष्ठित ग्रह का प्रभाव ।

चन्द्र, गुरु और शनी दीर्घ ग्रह माने जाते हैं । अब ये तीनो ग्रह कुण्डली के जिस भाव पर भी दृष्टि डालेगें अथवा प्रभाव डालेगें कुण्डली अनुसार शरीर के उस अंग को दीर्घ बना देगें । यंहा सुश्मिता की कुण्डली में ये तीनो ग्रह लग्न पर अपना प्रभाव डाल रहे हैं और इस तरह पुरे शरीर को ही दीर्घ बना रहे हैं अर्थात अतिरिक्त लंबाई दे रहे हैं । सुश्मिता को अग्रेंजी भाषा का भी बहुत अच्छा ज्ञान हैं, उसकी वाणी भी आकर्षक हैं । दो मलेच्छ अथवा विदेशी ग्रह राहु और शुक्र के बलवान होने के कारण उसे एक विदेशी अर्थात अग्रेंजी भाषा का अच्छा ज्ञान हुआ तथा इसी बजह से और भी विदेशी भाषाओं को सुश्मिता बड़े आराम से सीख सकती हैं । द्वितियेश महाबली गुरु से उसकी वाणी आकर्षक हुई । केन्द्र में किसी भी पाप ग्रह के न होने के कारण सुश्मिता मन की साफ, किसी का भी बुरा ना चाहने वाली, मेहनती, स्वाभिमानी और अपने किये कार्य का फल चाहने वाली लड़की हैं ।

जब इतनी सशक्त कुण्डली हैं तो फिल्मों में सुश्मिता को कोई विशेष सफलता अब तक क्यों नही मिली हैं ? ये प्रश्न किसी के भी मन में उठ सकता हैं । इसका उत्तर भी ज्योतिष शास्त्र के पास हैं । देखें, जुलाई १९९५ तक सुश्मिता की कुण्डली में लग्नेश मंगल की महादशा चली हैं । जोकि कुण्डली का कारक ग्रह हैं और महाबली ग्रह गुरु के केन्द्रिय प्रभाव में हैं । इसी के शुभ प्रभाव से १९९४ में सुश्मिता को 'मिस युनिवर्स' का विश्व विख्यात खिताब मिला हैं । परन्तु इसके तुरन्त बाद राहु की महादशा आरंभ हो गई जोकि कुण्डली का एक अकारक ग्रह हैं और कुण्डली के स्वभाव के एकदम विपरित हैं । फलस्वरुप सुश्मिता की पहली ही फिल्म 'दस्तक' १९९७ में पिट गई । इसके बाद अगस्त, २००० तक राहु में महाबली गुरु की अंतर्दशा ने सुश्मिता को कुछ अच्छे प्रयास करने को उकसाया और सुश्मिता ने अच्छे प्रयास किये भी परन्तु गुरु का राहु से 'षडअष्टक योग' परेशानी का कारण बना फलस्वरुप 'हिन्दुस्तान की कसम' जैसी फिल्म ज्यादा नही चली । इसके बाद जून २००३ तक शनी की अतंर्दशा ने भी कोई विशेष फल नही दिखाया इसलिये कि शनी भी कुण्डली का अकारक ग्रह हैं और कुण्डली के स्वभाव के विपरित हैं फलस्वरुप 'समय' जैसी फिल्म नही चली । परन्तु इसने अपने समय में सुश्मिता को मेहनत करना सिखाया और सफलता के लिये धैर्य रखना सिखाया । इसके बाद दिसंबर २००५ तक बुध की अंतर्दशा कुछ राहत लेकर आयी परन्तु था ये भी कुण्डली का अकारक ग्रह ही, फिर भी 'विपरित राजयोग' से इसने सुश्मिता को राहत दी 'मैं हु ना' इसका सबूत हैं । जनवरी २००७ तक राहु में चली केतु की अंतर्दशा कंहा कुछ देने वाली थी । राहु-केतु ने मिलकर कब किसका अच्छा किया हैं जो सुश्मिता का अच्छा होता । परन्तु २००७ जनवरी से जनवरी २०१० तक चलने वाली शुक्र की अंतर्दशा सुश्मिता को सुर्खियों में रखेगी । क्योंकि, आखिरकार शुक्र फिल्मों का कारक ग्रह हैं और महाबली गुरु से दृष्ट और स्वंय बलवान भी हैं । इसके बाद चलने वाली सूर्य की अतंर्दशा राहु के कुचक्र को छिन्नभिन्न कर देगी और सुश्मिता के लिये सफलता के नये युग का आंरभ हो जायेगा ।

हालाकि सुश्मिता फिल्मों के लिये नही बनी हैं और आज नही तो कल उसे फिल्मों से दूर हो जाना हैं । परन्तु विश्व सुंदरियाँ अथवा भारत सुंदरियाँ अधिकतर अगले पड़ाव के तौर पर फिल्मों को ही चुनती हैं और सुश्मिता ने भी एसा ही किया । बहरहाल सुश्मिता की कुण्डली कहती हैं कि सदा एसा ही नही रहेगा । कुण्डली अनुसार 'मिस युनिवर्स' के बाद चली राहु की महादशा कुण्डली के अकारक ग्रह के तौर पर चली और दूसरे अकारक तथा सधर्मी, अधिमित्र ग्रह शुक्र का सहयोग करने लगी । शुक्र, मनोरंजन और फिल्मों का कारक होने से तथा पचंम भाव बलवान होने से राहु की महादशा ने फिल्मों के मार्ग को प्रशस्त कर दिया । अगर राहु की जगह कुण्डली के किसी कारक ग्रह की महादशा चलती तो शायद सुश्मिता फिल्मों में आती ही नही । इसलिये कि कुण्डली का स्वभाव सूर्य, चन्द्र, मंगल और गुरु का सहयोग करने वाला स्वभाव हैं । और इन ग्रहों का फिल्मों से कुछ लेना देना नही हैं । मनोरंजन भाव पंचम भले ही फिल्मों के मार्ग को प्रशस्त करता हो परन्तु इसका शुक्र से लेना देना ना हो तो ये उच्च पद के मार्ग को प्रशस्त कर देता हैं ।

यहां सुश्मिता की कुण्डली में पंचम भाव से शुक्र का दृष्टि संबंध हैं । परन्तु शुक्र को फिल्मी सफलता दिलाने के लिये अपने सधर्मी और अधिमित्र ग्रहों की दशाओं का सहारा चाहिये और जो कुण्डली के लिये भी सहयोगी हो जैसा कि हमने राहु की महादशा में देखा । राहु, शुक्र का तो सहयोगी था परन्तु कुण्डली का सहयोगी नही था इसिलिये फिल्मों का मार्ग तो प्रशस्त हुआ परन्तु सफलता नही मिली । इसी के चलते आने वाली गुरु की महादशा शुक्र को सहयोग उपलब्ध नही करायेगी क्योंकि गुरु, शुक्र का अधिशत्रु हैं । हालाकि गुरु की महादशा कुण्डली के लिये प्रबल शुभ फल करेगी परन्तु शुक्र का सहयोग नही करेगी । इस तरह फिल्मी दुनियाँ गुरु महदशा में सुश्मिता को ज्यादा रास नही आयेगी ।

गुरु महादशा जुलाई २०१३ से आरंभ हो रही हैं और जुलाई २०२९ तक चलेगी । गुरु कुण्डली का सबसे बलवान ग्रह हैं, ये एक बार फिर सुश्मिता को विश्व प्रसिध्द बनायेगा। गुरु महादशा से सुश्मिता एक नये युग में प्रवेश करेगी । इस महादशा मे सुश्मिता के पास बहुत उचाँ और गहरा लक्ष्य होगा जो उसे विश्व प्रसिध्द बनायेगा । गुरु पंचम भाव में उच्चता को दर्शाता हैं और बुध के रेवती नक्षत्र में होने से अष्टम भाव के गहरे होने को दर्शाता हैं ।

सुश्मिता का मन रचनात्मक कार्य, बड़े कार्य करने एंव कुछ त्याग की भावना से ओतप्रोत रहता हैं । मन के कारक चन्द्रमाँ से उपचय स्थान में महाबली गुरु उसे रचनात्मक कार्य करने को उकसाता हैं । लग्न में सूर्य होने से उसे बड़े कार्य करने का मन होता हैं । चन्द्र की राशि में शनी होने से उसमें त्याग की भावना भी भरी हुई हैं । ये कुण्डली का मूल स्वभाव हैं और हम कह सकते हैं कि ये सुश्मिता का मूल स्वभाव हैं परन्तु राहु ने इसे प्रकट होने नही दिया हैं किन्तु गुरु की महादशा इसे प्रकट कर देगी । इस तरह गुरु की महादशा में सेवाभाव, विश्व स्तर के कार्य और रचनात्मकता के मार्ग प्रशस्त हो जायेगें । बहरहाल इसमें सुश्मिता के वैवाहिक जीवन की भी भूमिका रहेगी । अपने वैवाहिक जीवन से ही प्रेरणा पाकर सुश्मिता कुछ एसे निर्णय लेगी जो उसे फिरसे विश्व स्तर पर प्रसिध्द कर देगें । किसी भी स्त्री की कुण्डली में गुरु, पती कारक होता हैं और कुण्डली में महाबली गुरु वैवाहिक जीवन को प्रेरणा का स्त्रोत अवश्य बनायेगा । बहरहाल हमारी शुभकामनाऐं सुश्मिता के साथ हैं । आशा हैं, आने वाले समय में हम उसके नये और रचनात्मक कार्यो की वजह से उसे जानेगें ।

Bhagyadisha Astrological Research Center - Phone : 02512730080 Mobile : 9809574444.
Disha complex 2nd floor, Kewalkunj apt. 17 sec. U.M.C. road Ulhasnagar 421003. Thane, Mumbai.